नईदुनिया
इंदौर, गुरुवार 16 जून 2016
www.naidunia.com

वर्चुअल वर्ल्ड में साझा की गई जानकारी का हो सकता है दुरुपयोग

छोटी सी मुलाकात में ही आमतौर पर लोग आपस में निजी जानकारी साझा करने लगते हैं लेकिन कई मौकों पर यह खतरा बन जाता है जब कोई आपका पीछा करने लगे या आपके बारे में और जानकारी जुटाने लगे। कुछ लोग आपकी जानकारी व्यवसायिक या जरूरी फैसलों के लिए हासिल करते हैं लेकिन सभी की मंशा एक सी नहीं होती है। गलत उद्देश्य से जुटाई गई जानकारी आपको परेशान कर सकती है और यह आपके परिवार के लिए भी खतरा बन सकती है।

वरुण कपूर
आईपीएस

इसी तरह से आज सायबर वर्ल्ड में भी पीछा किया जा रहा है। सोशल वेबसाइट सहित पूरे वर्चुअल वर्ल्ड में आप अपनी जो जानकारी साझा करते हैं उनका दुरुपयोग हो सकता है। अगर आपके पास लगातार मिस कॉल आ रहे हैं, फ्रेंड रिक्वेस्ट आ रही है, कोई आपका प्रोफाइल बार-बार खंगाल रहा है या बेवजह के एसएमएस आ रहे हैं तो इसका मतलब कोई आप पर नजर रख रहा है या पीछा कर रहा है और आपकी जानकीरियों का गलत इस्तेमाल कर रहा ह या कर सकता है।

इस तरह का सबसे पहला मामला दिल्ली में सामने आया था। मनीष कथुरिया ने अपने ही एक दोस्त की बीवी रितु कोहली के नाम से चैट साइट एमआईआरसी पर झूठी आईडी बना ली। मनीष रितु के नाम से अश्लील चैट करने लगा। कुछ दिनों बाद मनीष ने रितु के फोटो भी आईडी के साथ अपलोड कर दिए। चैट ग्रुप में कई लोग रितु को जानते थे और वे उसकी इस बेबाकी से हैरान थे। हद तो तब हो गई जब मनीष ने रितु का फोन नंबर भी डाल दिया, इसके बाद रितु के पास देश-दुनिया से कई फोन आने लगे। रितु ने अपने पति के साथ दिल्ली पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की तह तक गई तब मनीष की कारगुजारिया सामने आई।

सायबर वर्ल्ड में इस 'पीछा' का शिकार कोई भी हो सकता है, लेकिन पीड़ितों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है। इन दिनों महिलाओं और लड़कियों की बहुत शिकायतें आ रही हैं कि उनकी प्रोफाइल पर नजर रखी जा रही है और उनका पीछा हो रहा है। इस तरह कि शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। सायबर पीछा सुरक्षा के अभाव के कारण बढ़ सकता है और पीड़ित के पास इसे दुखी होकर नजरअंदाज करने के अलावा कोई चारा नहीं होता है।

सायबर दुनिया में होने वाले इस पीछा का पीड़ित पर असर व्यापक और खतरनाक होता है। शिकार महिला खुद को चारों ओर से घिरा हुआ और असुरक्षित पाती है। जब कोई महिला की निजी जिंदगी में सेंध लगाकर उसके रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करने की कोशिश करता है तो पीड़ित असहाय होकर हर तरफ से मदद की उम्मीद लगा लेती है। यह हालत लंबे वक्त में पीड़ित को नुकसान पहुंचाता है और उस पर मनोवैज्ञानिक असर डालता है। सायबर स्पेस में पीछा होने की शिकार महिला अपने निजी जीवन में दुसरे की दखल से परेशान होकर गंभीर कदम तक उठा लेने को मजबूर हो जाती है और खुद को नुकसान पहुंचा लेती है। कई मौकों पर वो या तो खुद को सब से दूर कर लेती है या फिर खुदकुशी जैसे कदम भी उठा लेती है। ऐसे हालात सायबर सिक्योरिटी सिस्टम पर सवाल खड़े करते हैं।

हरियाणा के फरीदाबाद में कॉलेज स्टूडेंट हीना को उसकी कक्षा के दो छात्र अभिषेक और विवेक ने फर्जी आईडी से हासिल की सिम से फोन लगाकर इतना परेशान किया कि उसने तीसरी मंजिल की अपनी बालकनी से कूदकर खुदकुशी कर ली।

महिलाओं को इससे बचने के लिए खुद ही सावधानियां बरतनी होगी। पहले तो वे वर्चुअल वर्ल्ड में अनजान लोगों से दोस्ती ना करें। अगर उन्हें लगता है कि कोई उन पर नजर जमाए हैं और उनके बारे में जानकारी हासिल कर रहा है, जैसे नया फोटो अपलोड करने की बात कर रहा हो या लुक चेंज करने की सलाह दे रहा हो या कुछ शक पैदा करने वाली बात कर रहा हो तो इसे नजरअंदाज ना करें। आईपीसी की धारा 354 डी ने पुलिस को इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए अधिकार दिए हैं और वे आपकी शिकायत पर कारवाई कर सकेगी। जरुरत है आपके जागरुक होने की।

आने वाले दिनों में बढ़ सकता है यह अपराध और उसका असर

सायबर स्पेस में महिलाओं का पीछा ज्यादातर उन्हें जानने वाले ही करते हैं। कई मामलों में यह देखा गया है कि पीड़ित खुद इस बात से अनजान होता है कि उसका अपना ही कोई यह हरकत कर रहा है और निशाना बना रहा है। इसलिए सायबर स्पेस में पीछा करने वाले को यह अवसर मिल जाता है की वो किसी महिला का पीछा करता रहे और उसके नापाक इरादों पर शक भी ना हो।

(लेखक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर इंदौर में पदस्थ हैं और विचार उनके व्यक्तिगत हैं)
ईमेल: varunkapoor170@gmail.com